खास-खबरें

भारतीय किसान संघ का तहसील व जिला का कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग संपन्न

गंजबासौदा। एक दिवसीय दो प्रशिक्षण वर्ग हुए पांच सत्रों में प्रशिक्षण दिया गया। ग्राम इकाई के कार्यकर्ताओं को किसान संघ की कार्य पद्धति रीति नीति ग्राम समिति के नियमित कार्य, पंच परिवर्तन, आंदोलन आदि विषयों का प्रशिक्षण दिया गया। वर्ग में उद्घाटन सत्र में प्रदेश जैविक प्रमुख जगराम सिंह यादव द्वारा कार्यकर्ताओं को ग्राम समिति के नियमित कार्य एवं किसानों को जैविक खेती हेतु प्रोत्साहित करने के विषय में बताया गया। प्रांत संगठन मंत्री मनीष शर्मा ने समापन सत्र में कार्यकर्ता निर्माण एवं किसान को स्वाबलंबी बनाकर राष्ट्र निर्माण की दिशा में कार्य करने आदि विषयों पर मार्गदर्शन किया। अन्य सत्रों में संभाग अध्यक्ष बिशन सिंह बघेल, संभाग उपाध्यक्ष भगवान सिंह रघुवंशी एवं जिला अध्यक्ष प्रशांत जैन ने संगठन की रीति नीति के बारे में बताया जिला मंत्री महेंद्र सिंह रघुवंशी एवं जिला कोषाध्यक्ष राजेश श्रीवास्तव के द्वारा संगठन की कार्य पद्धति एवं ग्राम समिति के नियमित कार्यों का विषय रखा। तहसील अध्यक्ष भगत सिंह रघुवंशी ने आभार व्यक्त किया एवं तहसील मंत्री भवानी शंकर शर्मा के द्वारा संचालन किया गया।

टीम संडे का सुकून ने की पर्यावरण संरक्षण की नई पहल

सीहोर। सीहोर में समाज सेवा का कार्य करने वाली टीम संडे का सुकून ने नगर सौंदर्यकरण और पर्यावरण संरक्षण का कार्य प्रारंभ किया है। टीम द्वारा राशि एकत्रित कर नगर में विभिन्न स्थानों पर गमले रखे जा रहे हैं और उन गमलों में पौधारोपण किया रहा है। टीम द्वारा इन गमलों को सुंदर पेंटिग द्वारा सजाया गया है और पेड़ लगाए गए हैं ताकि नगर का वातावरण स्वच्छ और सुंदर हो सके। टीम द्वारा नगर में विभिन्न स्थानो पर 20 गमले रखे गए हैं। इसके साथ ही टीम के सदस्य नागरिकों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने और जल तथा पर्यावरण का संरक्षण करने के लिए भी प्रेरित कर रहे हैं।

जब तक जल सुरक्षित है-तब तक कल सुरक्षित है

भोपाल (काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशन में 30 मार्च को उज्जैन से शुरू हुए जल गंगा संवर्धन अभियान को दो माह से अधिक हो गए है। अभियान का समापन 30 जून को होगा। जन सहभागिता से आगे बढ़ रहे इस अभियान से जल संरक्षण के क्षेत्र में खंडवा जिले को देश में पहला स्थान मिला है, जबकि केन्द्रीय जल संसाधन विभाग की एजेंसी के आकलन में प्रदेश को राज्यों की श्रेणी में चौथा स्थान मिला है।

अभियान के अंतर्गत रिकार्ड खेत तालाब और अमृत सरोवर बनाये गए हैं। प्रदेश में 5 जून तक 2139 बावड़ियों और 4254 तालाबों की सफाई की गई है। अभियान में 3468 नदी घाटों की सफाई की गई है, 15 913 जल संगोष्ठी, 1677 नुक्कड़ नाटक और 12878 दीवार लेखन के कार्य किये गए हैं। इस अवधि में अभियान में 36 लाख नागरिकों ने सहभागिता की है, इस तरह अभियान जनांदोलन बन गया है। आने वाली वर्षा ऋ तु में अभियान के अंतर्गत बने खेत तालाबों, पुनरुद्धरित बावड़ियों और तालाबों में करोड़ों लीटर वर्षा जल सहेजा जा सकेगा। इससे भूजल स्तर में भी सुधार आयेगा और किसानों को फसल के लिए वर्ष भर पानी उपलब्ध रहेगा।

जन सहभागिता से हुई कुओं, बावड़ियों की सफाई और सौंदर्यीकरण: देवास में जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से जल संरचनाओं के निर्माण एवं गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है। नदी, नालों, कुएं, बावड़ियों और कुंड की साफ-सफाई की जा रही है तथा उनमें से गदंगी और गाद बाहर निकाली जा रही है। इसके साथ ही खेत तालाबों का भी निर्माण किया जा रहा है। अभियान के तहत कुएं, बावड़ियों की साफ-सफाई कर उनका सौंदर्यीकरण भी किया जा रहा है। मप्र जन अभियान परिषद ने जिले के बागली विकासखंड के कमलापुर गांव की 450 वर्ष प्राचीन हाथी बावड़ी साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण किया गया। इस प्राचीन बावड़ी में हाथी पानी पीते थे। सहभागिता करने वाले नागरिकों ने जल संरक्षण की शपथ भी ली।

दीवारों पर पेंटिंग बना कर जल संरक्षण का संदेश: 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत बुरहानपुर जिले की नगर परिषद शाहपुर में अमरावती नदी किनारे स्थित अधो-संरचनाओं के आस-पास जल ही 'जीवन की आस, इसे बचाने करो प्रयास', 'बोलेगी चिड़िया डाली-डाली, फैलाओ तो तुम हरियाली', 'दूषित नहीं करना जल, बर्बाद हो जायेगा कल', 'सांसें हो रही हैं कम, आओ पेड़ लगाएं हम', 'सबका हो एक ही नारा, वर्षा जल बचाओ सारा', और 'साफ सुथरा पानी, अच्छे स्वास्थ्य की निशानी, जैसे जल संरक्षण के संदेश लिखे गए। कलात्मकता का परिचय देते हुए पर्यावरण संरक्षण और जल बचाने का संदेश देती आकर्षक पेंटिंग्स भी बनाई गईं। जिले में ये प्रेरणादायक स्लोगन और आकर्षक पेंटिंग्स नागरिकों का ध्यान अपनी ओर खींच रही हैं।

300 वर्ष पुरानी बावड़ी की साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण: जल संरक्षण के उद्देश्य से सीहोर जिले में चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जन अभियान परिषद के सदस्यों ने गांव लीलाखड़ी और आममाय में स्थित लगभग 300 वर्ष पुरानी बावड़ी पर श्रमदान कर साफ सफाई की गई और 'बावड़ी उत्सव' मनाया गया। प्राचीन जल स्त्रोंतों के संरक्षण का संदेश देने के उद्देश्य से बावड़ी पर 51 फिट लम्बी चुनरी ओड़ाई गई और दीप प्रज्वलन कर आकर्षक रंगोली से बावड़ी की साज सज्जा की गई। जन अभियान परिषद के सदस्यों और ग्रामवासियों ने आरती की और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से पौधारोपण भी किया।

नशे में लिप्त बच्चों के लिए जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

विदिशा (निप्र)।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा स्थानीय जतरापुरा मे बाल भिक्षावृत्ती, बाल श्रम, नशे मे लिप्त एवं सडक पर कचरा पन्नी बीनने बाले बच्चों हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की रूप रेखा श्रीमती आकांक्षा मरावी ने प्रस्तुत की।

अनिमेश तिवारी ने विधिक सहायता एवं पॉक्सो एक्ट के विषय मे प्रकाष डाला। श्रीमती देवनानंदनी बघेल ने बाल श्रम रोकने एवं विभागीय योजनाओं से जोड़ने के संबंध मे बताया। बाल कल्याण समिति सदस्य चंद्रभान सिंह राजपूत ने बाल कल्याण समिति के माध्यम से बच्चों को दी जाने वाली सहयता के विषय मे बताया गया। जिन बच्चों के माता-पिता नही हैं उनको बाल गृह बालिका गृह मे रख कर उनकी शिक्षा एवं संरक्षण का कार्य किया जाता है और उनके परिवार को ढूंढते हुये परिवार मे पुनर्वास कराया जाता है।

बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष रामबाबू प्रजापति, सदस्य दीवान सिंह मीणा, श्रीमती लक्ष्मी शर्मा, श्रीमती सुनीता दांगी राजकुमार सर्राफ परियोजना अधिकारी संजय सिंह, संतोष रघुवंशी शिक्षा विभाग के बलभद्र सिंह मीणा, उप निरीक्षक रणधीर सिंह, श्रम निरीक्षक विवेक पचौरी, अशासकीय संस्थाओ के प्रतिनिधि सफल शिक्षा सेवा समिति के मनोज कौशल, एक्ससिस टू जस्टिस से दीपा शर्मा एवं अन्य प्रतिभागी उपस्थित रहे।

महिला घाट से बजरंग अखाड़े तक 60 फीट चौड़ी दिखने लगी सीवन

सीहोर।

सीवन नदी के तीनों घाटों पर गहरीकरण का काम जारी है। महिला घाट पर सबसे पहले खुदाई शुरू हुई थी। यहां दो पोकलेन मशीनों से ब्रेकर लगाकर पत्थर तोड़े गए। इसके बाद मलबा हटाया गया। मलबा हटाने के बाद दोबारा फिर से महिला घाट पर पत्थरों को तोड़कर गहरीकरण किया गया। अब तक 5 से 6 फीट खुदाई हो चुकी है। एक से दो क्विंटल में पत्थर तोड़े गए हैं।

वहीं करीब 2000 डंपर से ज्यादा मलबा निकाला जा चुका है। गहरीकरण होने से महिला घाट के पास नदी का स्वरूप बदला बदला नजर आ रहा है। गहरीकरण होने से अब यहां ज्यादा पानी संग्रहित हो सकेगा। जिससे आसपास के जल स्रोत लंबे समय तक रिचार्ज रहेंगे। नगर पालिका यह काम जल गंगा संवर्धन योजना के तहत करवा रही है। इस दौरान महिला घाट से बजरंग अखाड़े तक 60 फीट चौड़ी देखने लगी है। महिला घाट से जमा मटेरियल को हटाया जा चुका है। जो मटेरियल बचा है, उसे पोकलेन और डंपर मशीनों से हटाया जा रहा है। महिला घाट से बजरंग अखाड़े के आगे तक खुदाई जारी है। वहां से निकाले गए मटेरियल को हटाने का काम जारी है। बारिश आने में अब कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे में घाटों से मलबा हटाना जरूरी हो गया है। बारिश के बाद नदी के अंदर काम करना मुश्किल हो जाएगा।

आस्था और उत्साह के साथ मनाया जाएगा गणेश उत्सव

सीहोर। इस साल भी शहर के छावनी स्थित नमक चौराहा नव युवक संगठन के तत्वाधान में गणेश उत्सव का पर्व आस्था और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। तैयारियों को लेकर छावनी स्थित श्री सिद्ध हनुमान मंदिर में संगठन की बैठक का आयोजन किया गया। इस मौके पर संगठन के सदस्य वंश पचौरी ने बताया कि क्षेत्र के युवाओं में गणेश उत्सव को लेकर पूरा उत्साह है। उन्होंने बताया कि गणेश उत्सव पर प्रतिदिन प्रसादी आदि का वितरण किया जाएगा। इस मौके पर श्री सिद्ध हनुमान मंदिर समिति के अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल, मनोज दीक्षित मामा, निलेश जयपुरिया, आशीष पचौरी, किशन सोनी, विशाल सेन सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी शामिल थे।

सर्रा गांव में झगड़े में महिलाओं को आई गंभीर चोटें, रायसेन किया रेफर

बरेली।

ग्राम सर्रा थाना बरेली जिला रायसेन निवासी श्रीमति अर्चना बाई केवट पति कैलाश केवट आयु 40 वर्ष ने बताया कि आरोपीगणो द्वारा हमारे घर में रात्रि में घुस कर कुल्हाडी, लाठी, डंडा लेकर अनावेदकगण छोटे, गुलाब, गुड्डू केवट पुत्रगण हरिचराण एवं विनोद पिता करिया, गीता बाई पति करिया, मुन्नी बाई पति हरिचरण व लक्ष्मी बाई पति छोटे केवट एवं हरी बाई केवट पति गुड्डू केवट सभी निवासी ग्राम सर्रा बरेली तहसील बरेली जिला रायसेन ने एक राय होकर हमला कर घायल किया है। पुलिस को एफआईआर लिखते समय घर में घुसकर कुल्हाडी, लाठी प्राणघातक हमला किया। मारपीट करने पर भी साधारण धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया है। जबकि रात्रि में घर में घुसकर प्राणघातक हमला कुल्हाडी, डंडो से करने की धारा 358 भादवि नवीनतम धारा में अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। यह कि आवेदिका व परिवार के सदस्यों को अस्पताल बरेली में उपचार हेतु लाया गया जहाँ पर इलाज के बाद आवेदिका अर्चना बाई व पुत्री सुहानी एवं सास शकुन बाई को गंभीर चोटे होने एवं फेक्चर होने से तीनो को बरेली अस्पताल से रायसेन के लिए रिफर कर दिया है।

वर्तमान में तीनो अर्चना बाई, सुहानी व शकुन बाई तीनो जिला चिकित्सालय रायसेन में भर्ती है इलाजरत है। अत: श्रीमान जी से निवेदन है कि उक्त छोटे, गुलाब, गुड्डू केवट पुत्रगण हरिचराण एवं विनोद पिता करिया, गीता बाई पति करिया, मुन्नी बाई पति हरिचरण व लक्ष्मी बाई पति छोटे केवट एवं हरी बाई केवट पति गुड्डू केवट सभी निवासी ग्राम सर्रा के विरूद्ध शीघ्र अति शीघ्र उचित कठोर कार्यवाही की जावे।

धीमी गति के कारण टॉप 10 से भी बाहर सीहोर

सीहोर।

भूमिगत जल स्तर में लगातार गिरावट के कारण जल संरक्षण को लेकर प्रदेश सरकार का जल गंगा अभियान चल रहा है। इस अभियान में सीहोर जिला वर्तमान में प्रदेश में 16वें स्थान पर है।

जिले में जल संरक्षण के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। प्राचीन कुओं और बावड़ियों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। मनरेगा के अंतर्गत स्टॉप डैम, चेक डैम, खेत तालाब और अमृत सरोवर का निर्माण कार्य चल रहा है। अभियान के तहत जिले में 1443 नए कार्य शुरू किए गए हैं। इसके अलावा 2393 पुराने

कार्य पहले से चल रहे हैं। पूर्व वर्ष के एनआरएम से संबंधित 226 कार्य पूरे हो चुके हैं। यह अभियान 31 मार्च से 31 जून तक चलेगा।

निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश: कलेक्टर ने जल संरचनाओं के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा सीहोर के कार्यपालन यंत्री एके पंथी के अनुसार, पोर्टल में भुगतान की प्रक्रिया के कारण पहले कुछ अंक कम थे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बावड़ी उत्सव मनाया

उज्जैन।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड घटिया जिला उज्जैन द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत बावड़ी उत्सव कार्यक्रम का आयोजन विकासखंड के ग्राम रुई स्थित प्राचीन श्री भैरव बाबा की बावड़ी पर किया गया।

सर्वप्रथम ग्राम की महिलाओं द्वारा स्थानीय शिव मंदिर पर पूजन -अर्चन कर बावड़ी तक ढोल के साथ कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा के मंदिर पहुंचने के पश्चात वरिष्ठ समाजसेवी श्री राधेश्याम जी पांचाल द्वारा उपस्थित ग्रामीणों को जल संरक्षण का महत्व बताते हुए प्राचीन जल संरचनाओं की उपयोगिता एवं आवयश्कता पर चर्चा करते हुए इनके संरक्षण करने तथा इनमें कूड़ा -कचरा या अन्य अपशिष्ट पदार्थों को न डालने की बात कही।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे जिला पंचायत सदस्य श्री अमर सिंह जी खोरिया द्वारा अपने उद्बोधन में वाटर हार्वेस्टिंग,नए तालाबों का निर्माण एवं वर्षा के जल को सहजने की बात कही। अंत में नवांकुर संस्था सुरभि जन कल्याण समिति के अध्यक्ष श्री रूपेश जी परमार द्वारा उपस्थित ग्रामीणों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। इसके पश्चात भैरव बाबा एवं बावड़ी पूजन कर दीपकों से सज्जा कर प्रसाद वितरण किया गया।

कार्यक्रम में सरपंच श्री नंदराम जी मालवीय,प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष श्री रवि जी आंजना,पूर्व मंडल अध्यक्ष श्री करण सिंह जी आंजना,श्री रमेश जी पटेल,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती पूजा पांचाल,परामर्शदाता श्री हेमेंद्र जी पाटीदार, श्री राजेंद्र जी सोनी,श्री भरत जी गोस्वामी आदि सम्माननीय जन उपस्थित रहे। अंत में आभार श्री सुरेश जी चौहान द्वारा व्यक्त किया गया।

श्रमदान दल ने किया नौलखी घाट पर विशेष श्रमदान

गंजबासौदा। श्रमदान दल द्वारा रविवो हंसनौलखी घाट पर विशेष श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान बड़ी मात्रा में शराब की बोतलें तैरती मिली और किनारों पर प्लास्टिक के ढेर लगे मिले। यह न केवल पर्यावरणीय संकट, बल्कि सामाजिक पतन की त्रासदी को उजागर करता है। ऐसी ही एक हकीकत सामने आई नौलखी घाट पर जहाँ श्रमदान दल द्वारा आयोजित विशेष श्रमदान कार्यक्रम के तहत मात्र दो घंटे में दस बोरी कचरा निकाला गया। जिनमें से आठ बोरी में केवल प्लास्टिक, पॉलीथिन और अन्य अजैविक कचरा भरा था। किंतु सबसे चौंकाने वाला दृश्य था घाट पर बिखरी देशी और अंग्रेजी शराब की खाली बोतलें। यह दृश्य केवल गंदगी नहीं दर्शाता, यह चेतावनी देता है कि हम नदियों की पूजा तो करते हैं, पर उनके साथ व्यवहार अपवित्र कर चुके हैं। नौलखी घाट पर आयोजित विशेष श्रमदान कार्यक्रम में श्रमदान दल का उद्देश्य केवल सफाई नहीं था, यह एक मौन आंदोलन था। एक प्रश्न था समाज से सेक्या हम नदियों को केवल इंस्टाग्राम लोकेशन, शेल्फी प्वाइंट या पिकनिक स्पॉट बस मान बैठे हैं? यदि समाज का जिम्मेदार वर्ग ही पर्यावरणीय कर्तव्यों से विमुख हो जाए, तो शेष जनमानस से कैसे अपेक्षा की जा सकती है विशेष श्रमदान कार्यक्रम में नितिन अग्रवाल, संस्कार राजपूत और आकाश जैन उपस्थित रहे।

नामांकन अभियान में उज्जैन जिले को प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त

उज्जैन।

जिला शिक्षा केन्द्र के जिला परियोजना समन्वयक श्री अशोक त्रिपाठी ने जानकारी दी कि शिक्षा के क्षेत्र में प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन के द्वारा विद्यालयों में नामांकन बढाने हेतु विशेष प्रयास करने हेतु निर्देश दिए गए थे और इसे 01 अभियान के रूप में कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया था। जिसके परिपालन में उज्जैन जिले में विद्यालयों में नामांकन हेतु 1 अप्रैल से आज दिनांक तक विशेष प्रयास कर जिले ने राज्य से जारी रेंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

जिलें में अधिक से अधिक नामांकन विशेष तौर पर कक्षा-1 एवं कक्षा 6 में नामांकन हेतु विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक बच्चों को स्कूल से जोड़ना, ड्रॉपआउट दर को कम करना एवं शिक्षा के अधिकार को प्रभावी बनाना था।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन व मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती

जयति सिंह तथा जिला परियोजना समन्वयक के विशेष प्रयासों से जिले को यह गौरव प्राप्त हुआ है।

जिले के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों ने एक जुट होकर प्रयास किए जिसके फलस्वरूप जिले में अधिकतम नामांकन सुनिश्चित किया गया। विकासखण्ड स्तर से भी इस अभियान में सक्रिय भागीदारी हुई और आस-पास के ड्रॉपआउट विद्यार्थियों को विद्यालय से जोड़ने हेतु प्रयास किए गए। कक्षा-1 में नामांकन हेतु आंगनबाड़ी, महिला बाल विकास एवं समग्र पोर्टल से सूची प्राप्त कर प्रत्येक बच्चें को नामांकित करने के प्रयास किए गए। अभियान को सफल बनाने के लिए जिला परियोजना समन्वयक महोदय द्वारा प्रत्येक विकासखण्ड में स्वयं जाकर बैठकों का आयोजन कर विकासखण्ड अमले को उक्त कार्य हेतु प्रोत्साहित किया गया। उनके द्वारा प्रतिदिन समस्त एपीसी, बीआरसी, बीएसी, एवं सीएसी से व्ही.सी. के माध्यम से नामांकन की प्रगति की जानकारी ली गई। साथ ही विद्यालय स्तर पर शिक्षकों द्वारा घर-घर जाकर अभिभावकों से गृह संपर्क एवं संवाद भी किया गया। विकासखण्ड के ग्रामों में बाल सभा, रैली, नुक्कड नाटक व पोस्टर के माध्यम से जागरूकता फैलायी गई। विद्यालय में अभिभावकों को आमंत्रित कर अभिभावक बैठकें आयोजित की गई। विशेष रूप से बालिकाओं आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों तथा स्कूल से वंचित बच्चों पर विशेष ध्यान दिया गया। इसके परिणामस्वरूप उज्जैन जिले के सभी विकासखण्डों से सक्रिय सहभागिता प्राप्त हुई। विद्यालय स्तर पर नामांकन (कक्षा-1 से कक्षा-8) में उल्लेखनीय प्रगति हुई। जिलें को राज्य से जारी रेंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

स्पेशल खबर गांवों में भ्रमण कर आज किसानों को दी जाएगी जानकारी

कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को दी योजनाओं एवं तकनीकी जानकारी

सीहोर।

भारत सरकार के निर्देशानुसार जिले में 29 मई से 12 जून तक किसानों के कल्याण को कृषि को उन्नत बनाने के लिए विकसित कृषि संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले में तीन दलों का गठन किया गया है।

प्रत्येक दल में कृषि वैज्ञानिक, कृषि विभाग, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मत्स्य विभाग, उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों को सम्मिलित किया गया है। अभियान के अंतर्गत गठित दलों द्वारा प्रतिदिन जिले के तीन विकासखण्ड की नौ पंचायतों में भ्रमण कर कृषकों को कृषि, पशुपालन, मत्स्य एवं उद्यानिकी विभाग की नवीन योजनाओं, कृषि यंत्रीकरण, खरीफ मौसम की तैयारी बीजोपचार, पशुपालन एवं उद्यानिकी फसलों के सम्बंध में तकनीकी मार्गदर्शन एवं उन्नत कृषि तकनीकी की जानकारी प्रदान की जा रही है।

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उप संचालक श्री केके पांडे ने बताया कि अभियान के तहत इछावर विकासखंड की ग्राम पंचायत झालकी सिराड़ी तथा मोलगा, आष्टा विकासखण्ड की मैना, कुमडावदा तथा कजलास और भैरूंदा विकासखण्ड की दिगवाड़, छिदगांव काछी तथा बोरखेड़ी कलां में कृषि वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों के दल द्वारा भ्रमण किया गया और किसानों को उन्नत खेती तकनीकों तथा योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

इसी क्रम में अभियान के तहत 09 जून को इछावर विकासखंड की ग्राम पंचायत रामनगर, ढाबला राय तथा खजुरिया घेधी, आष्टा विकासखंड की बमुलिया, रायमल मुगलली तथा बफापुर और भैरूंदा विकासखण्ड की ग्राम पंचायत चींच सातदेव तथा बालागांव में कृषि वैज्ञानिकों एवं विभाग के अधिकारियों के दल द्वारा भ्रमण किया जायेगा।

सभी किसानों से अपील की गई है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कृषि वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों द्वारा प्रदान किये जा रहे तकनीकी मार्गदर्शन एवं उन्नत किस्मों की जानकारी प्राप्त करें।